बी.बी.एच.एफ. - 001

00900

भोजपुरी में आधार पाठ्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2010

Course Code : BBHF - 001

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *सभे प्रश्नन के उत्तर देवे के बा।*

1. नीचे लिखल शब्दन के सही वर्तनी लीखीं। 5

   (a) संग्या (b) अएनक

   (c) भासा (d) वर्तन

   (e) लवकिक

2. नीचे शब्दन के दू-दू गो रूप दिहल जा रहल बा। एकरा में से सही शब्द चुन के लीखीं। 5

   (a) सइयाँ/सइआँ

   (b) हमारा के/हमरा के

   (c) तोहारापर/तोहरा पर

   (d) ख के/खाके

3. मानक भोजपुरी के तीन गो विशेषता बताईं। 5

   _____

   _____

   _____

4. निम्नलिखित शब्दन के बहुवचन बनाईं। 5

(a) गाँव (b) वकील

(c) लइका (d) मेहरारू

(e) रउआ

5. निम्नलिखित शब्दन के लिंग लीखीं। 5

(a) केश (b) अँजोरिया

(c) भीत (d) आँख

(e) कोइलर

6. निम्नलिखित में से कउनो **एगो** पर लगभग **150** शब्दन में टिप्पणी लीखीं। 7

(a) कौन ठगवा नगरिया लूटल हो।

चन्दन खाट के बनल खटोलवा, तापर

दुल्हिन सूतल हो।

उठो री सखी मोरे माँग सँवारो, दुल्हा

मोसे रुसल हो

आई जमाज पलंग चढ़ि बइठे,

ननन आँसू टूटल हो।।

चार जने मिलि खाट उठवले, चहुँ दिसि

धू धू उठल हो।।

कहत कबीर सुनो भाई साधो,

जग से नाता टूटल हो।।

(b) बमने के लेखे हम भिखिया न मांगब जा
ठकुरे के लेखे नहिं तउरि चलाइबि
सहुआ के लेखे नहिं डाँडी हम मारब जा
अहिरा के लेखे नहिं गइया चोराइबि
भँटुआ के लेखे न कबित हम जोरब जा
पगड़ी न बान्हि के कचहरी मे जाइबि
अपन पसिनवा के पइसा कमाइवि जा
घर भर मिलि-जुली बाँटि-चोटि खाइवि

7. 'रजाई' कहानी के कथासार लिखिके इ कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालीं। 7

8. निम्नलिखित में से कवनो **एगो** पर लगभग 300 शब्दन में निबंध लीखीं। 7

(a) कवि हरेन्द्रदेव नारायण
(b) विवेकी राय अउर उनकर निबंध 'खटिया'
(c) राहुल सांकृत्यायन अउर उनकर नाटक "मेहरारून के दुरदसा"

9. निम्नलिखित विषयन में से कवनो **एगो** पर 150 शब्दन में लीखीं। 4

(a) अनुवाद के महत्त्व
(b) भोजपुरी लोक कला
(c) कम्प्यूटर के महत्त्व